कंपनियों को जिसमें आई०डी०पी०एल० भी शामिल है, बी आई एफ आर को सौंपने का निर्णय लिया है ;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा आई डी पी एल निर्मित औषधियों के लिए निर्धारित औषधि मूल्य कच्ची सामग्री की लागत उपयोगिता लागत के बराबर भी नहीं है, और यदि हां, तो यह स्थिति कब से चल रही है ;

(ग) क्या सरकार ने उपर्युक्त स्थिति को रोकने के लिए कोई कदम उठाये हैं, यदि हां, तो कब और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ;

(घ) क्या यह सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में यह घोषणा की है कि केवल उन्हीं रुग्ण फार्मास्युटिकल इकाइयों को बी आई एफ आर को सौंपा जाएगा जिन्हें गैर-सरकारी क्षेत्र से सरकारी क्षेत्र में लिया गया है; और

(ङ) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि आई०डी०पी०एल० के उत्पादन में किसी प्रकार का अवरोध कुछ औषधियों के आयात को अनिवार्य कर देगा, और यदि हां, तो ऐसी औषधियों के नाम क्या हैं, उनकी कितनी मात्रा का आयात किया जाएगा और उस पर अनुमानतः कितनी विदेशी मुद्रा खर्च होगी ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिन्ता मोहन) : (क) संशोधित रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबन्ध) अधिनियम, 1985 के अनुसार सरकारी क्षेत्र में रुग्ण औद्योगिक एककों के मामले औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बी आई एफ आर) को भेजे जाते हैं।

(ख) और (ग) विनियंत्रित प्रपुंज औषधों की कीमतें औद्योगिक लागत एवं मूल्य ब्यूरो द्वारा किए गए लागत एव तकनीकी अध्ययन के आधार पर निर्धारित संशोधित की जाती हैं। कीमतें प्रपुंज औषध-वार निर्धारित की जाती हैं न कि कंपनी-वार। कीमतें प्रमुख विनिर्माताओं की भारित औसत लागत के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस तरह निर्धारित की गई कीमतें इंडियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्युटिकल्स लि. सहित सभी विनिर्माताओं पर लागू होती हैं।

(घ) केवल निजी क्षेत्र से अधिकार में लिए गए रुग्ण भेषज एककों को बी आई एफ आर के पास भेजने के लिए कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

(ङ) इंडियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्युटिकल्स लि. प्रपुंज विटामिन बी–1, बी–2 का एक मात्र उत्पादक है और यह प्रपुंज विटामिन बी–6, टेट्रासाइक्लिन, फोलिक एसिड, आदि का अग्रणी उत्पादक है। संगठित क्षेत्र और लघु क्षेत्र में अनेक डाउनस्ट्रीम एकक आई डी पी एल द्वारा उत्पादित प्रपुंज औषधों पर निर्भर हैं। प्रपुंज औषधों की आवश्यकता और पूर्ति के बीच अन्तर पूरा करने के लिए एक वर्ष में 60 करोड़ रु. से 70 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर आयात करना पड़ सकता है।

Production in Durgapur and Sindri Fertilizer Plant

3763. SHRI MOHAMMED AMIN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the production in Durgapur and Sindri Fertilizer plants is much below the installed capacity;

(b) if so, what are the reasons therefor; and

(c) whether Government propose to close down the above two factories?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI CHINTA MOHAN): (a) and (b) Yes, Sir. In Durgapur unit of H.F.C. production has been much lower than the installed capacity due to design deficiency, frequent equipment break-down, power and labour problems. The production performance of Sindri unit of FCI is below the installed capacity due to equipment problems, power supply limitations, problem of liquidity, etc.

(c) No, Sir.

3764. [Transferred to the 27th March, 1992]

Hike in the Prices of Drugs

3765. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government attention has been drawn to a news item that appeared